# वशि्व कपास दविस 2024

**स्रोत: पी.आई.बी.**

वशि्व कपास दविस **(7 अक्तूबर 2024)** के अवसर पर **वस्त्र मंत्रालय ने** भारतीय कपास नगिम और CITI के साथ संयुक्त रूप से सम्मेलन की मेज़बानी की, जसिका **वषिय था "सूती वस्त्र मूल्य शृंखला को आकार देने वाले मेगाट्रेंड्स"।**

## उद्देश्य:

- सूती वस्त्र उद्योग को **बढ़ावा देना** तथा अर्थव्यवस्था में इसके योगदान को बढ़ावा देना।
- **कपास मूल्य शृंखला के समक्ष आने वाली चुनौतियों का समाधान करना** और समाधान की तलाश करना।
- **कपास उद्योग में स्थरिता और उसकी क्षमता** के महत्त्व पर प्रकाश डालना।

## कपास दविस की मुख्य वशिषताएँ:

- सरकार का लक्ष्य वर्ष **2030 तक 100 बलियिन अमेरकिी डॉलर का वस्त्र नरि्यात लक्ष्य हासलि करना है।**
- उच्च घनत्व वाली रोपाई, कम अंतराल पर रोपाई और ड्रपि फर्टगिशन जैसी पद्धतयिों को अपनाने से कपास की उपज में वृद्धि हो सकती है।
- कपास कसिानों के लयि खरपतवार प्रबंधन एक महत्त्वपूर्ण चुनौती है, जसिका समाधान नई बीज कस्मिों के माध्यम से कयिा जा सकता है।
- इस कार्यक्रम में कस्तूरी कपास उत्पाद, **पुनर्चक्रति वस्त्र और हथकरघा उत्पाद प्रदर्शति कयि गए हैं।**

## कपास उद्योग से संबंधति कुछ प्रमुख तथ्य:

- **भारत वशि्व का सबसे बड़ा कपास उत्पादक** है, **जो वशि्व के कपास उत्पादन का** लगभग 23% उत्पादन करता है।
- वर्ष 2023-2024 में भारत संयुक्त राज्य अमेरकिा के बाद **वशि्व का दूसरा सबसे बड़ा कपास नरि्यातक होगा।**
- भारत के **प्रमुख कपास आयातकों में बाँग्लादेश, चीन और वयितनाम** शामलि हैं।

**और पढ़ें:** कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडयिा (CCI), भारतीय वस्त्र उद्योग परसिंघ (CITI)।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-cotton-day-2024